2. १००८ श्री अजितनाथ जी

यक्ष	चिन्ह	वर्ण	यक्षिणीं
महायक्ष	हाथी	पीतवर्ण	रोहिणी

अर्घ

जल फल सब सज्जो बाजत बज्जे गुन गन मन रज्जे मनमज्जे।
तव पद जुग मज्जे सज्जन जज्जे ते भव भज्जे निज कज्जे॥
श्री अजित जिनेशं नुतनाकेशं चक्र धरेशं खग्गेशं।
मन वांछित दाता त्रिभुवन त्राता पूजों ख्याता जग्गेशं॥

ॐ ह्रीं श्री अजितनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्यपद प्राप्तये अर्घं निर्वपामीति स्वाहा।

ज्येष्ठ कृष्णा-३०

गर्भकल्याणक

माघ शुक्ला-१०

जन्मकल्याणक

माघ शुक्ला-१०

तपकल्याणक

पोष शुक्ला-११

केवलज्ञान कल्याणक

पिता: श्री जिनशत्रु राजा
माता: विजया देवी

मोक्ष स्थान श्री सम्मेदशिखर जी

चैत्र शुक्ला-५

मोक्षकल्याणक